2022

HINDI

B.A. General Second Semester End Examination - 2022

PAPER - CC2

Full Marks : 60 *Time : 3 hours*

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

1. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2×10=20**

क) तुलसीदास भक्ति काल के किस शाखा के कवि है? उनका जन्म कब हुआ था?

ख) तुलसीदास द्वारा रचित दो प्रसिद्ध रचनाओं के नाम बताइए।

ग) ब्रजभाषा में रचित तुलसीदास की दो रचनाओं के नाम बताइए।

घ) 'कबीर की वाणियों' के संग्रह को किस नाम से संकलित किया गया है ? इसके संग्रह कर्ता का नाम लिखिए।

ङ) कबीरदास किस धारा के कवि है ? उनके गुरु का नाम बताइए।

च) सुरदास द्वारा रचित दो रचनाओं के नाम बताइए।

छ) सूरदास के गुरु का क्या नाम था ? इन्होंने किस सम्प्रदाय में दीक्षा ली थी ?

ज) 'भ्रमरगीत' की मूल कथा किस ग्रंथ से उद्धृत है ? भ्रमर किसका प्रतीक है ?

झ) बिहारी किस काल क्रे कवि हैं ? उनकी प्रसिद्ध रचना का नाम बताइए।

ञ) बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे ? बिहारी सतसई में कुल कितने दोहे संकलित हैं ?

ट) किन्हीं दो रीतिमुक्त कवियों के नाम बताइए।

ठ) घनानंद द्वारा रचित दो रचनाओं के नाम बताइए।

ड) दो कृष्ण भक्ति धारा के कवियों के नाम बताइए।

ढ) कवि भूषण की दो रचनाओं के नाम बताइए।

ण) दो संत कवियों के नाम बताइए।

2. निम्नलिखित पद्यांश में से किन्हीं चार की व्याख्या कीजिए :-

5×4=20

क) राम नाम के पटंतरै, देवे को कछु नाहि।
क्या ले गुरु संतोखिए, हौस रहे मन माहि।।

ख) अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल।
काम क्रोध कौ पहिरि चोलना कंट बिषय की माल।
महामोह के नूपुर बाजत निंदा शब्द रसाल।
भरम भर्‌यो मन भयो पखावज चलत असंगत चाल।

ग) ऐसी मूढ़ता या मन की।
परिहरि रामभक्ति सुरसरिता आस करत ओसकन की।
धूमसमूह निरखि चातक ज्यों तृषित जानि मति घन की।
नहिं तहँ सीतलता न बारि पुनि हानि होत लोचन की।

घ) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोई।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित-दुति होई।।

ङ) तो पर वारौ उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तु मोहन के उर बसी, है उरवसी-समान॥

च) अब लौं नसानी, अब न नसैहों।
राम कृपा भव-निसा सिरानी, जागे पुनि न डसैहों।
पायो नाम चारु चिंतामनि, उर कर ते न खसै हों।
स्याम रूप सुचि रुचिर कसौटी, चित्त कंचनहिं क सै हों।

छ) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहे।
यह ब्योपार तिहारी ऊधो ऐसोई फिरि जैहे।
जापै लै आयौ हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुह खैहै?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 10×2=20

क) तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

ख) कबीर दास एक सच्चे संत एवं समाजसुधारक कवि हैं – सिद्ध कीजिए।

ग) बिहारी रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि है – इस कथन पर प्रकाश डालिए।

घ) घनानंद 'प्रेम की पीर' के कवि है – इस कथन की समीक्षा कीजिए।